इस बात को गहराई से समझें ताकि परमेश्वर आपको भेज सके

हमें परमेश्वर के उस बड़े सम्मान को समझना चाहिए जिसके तहत वह हमें अपने विशेष कार्यों के लिए भेजता है। इसका मतलब है कि हमें परमेश्वर की सेवा में ऐसा जीवन जीना चाहिए कि हमारे जीवन का गवाह लोग स्वयं बनें। इतना कि जब परमेश्वर अपने शब्द को आपके होंठों के माध्यम से प्रवाहित करें, तो लोग तुरंत विश्वास कर लें, क्योंकि आपके जीवन ने पहले ही उनके सामने गवाही दी होगी।

यदि हम इस स्तर तक पहुँचते हैं, तो जान लें कि परमेश्वर हमें अपने राज्य के लिए कई रहस्यों को प्रकट करेंगे। बाइबल में इसका उदाहरण है—अनानिया नामक व्यक्ति। परमेश्वर ने उसे भेजा ताकि वह पौलुस का अनुसरण करे, उसकी प्रार्थना करे और उसे बपतिस्मा दिलाए। आप सोच सकते हैं, वहाँ पौलुस के आसपास और कोई ईसाई नहीं था, तो परमेश्वर ने अनानिया को दूर से क्यों भेजा? उत्तर यह है कि वहाँ लोग थे, लेकिन परमेश्वर जानता था कि पौलुस की गवाही भविष्य में लोगों के बीच प्रभावशाली होनी थी। इसलिए उसने किसी ऐसे व्यक्ति को चुना, जिसे लोग जानते और भरोसा करते थे—एक निष्ठावान और परमेश्वरभक्त व्यक्ति। यही कारण है कि अनानिया को भेजा गया।

देखिए बाइबल में:
प्रेरितों के काम 9:10-17

इस बात को गहराई से समझें ताकि परमेश्वर आपको भेज सके

10 उस समय दमिश्क में अनानिया नामक एक शिष्य था। प्रभु ने उसे दर्शन में कहा, “अनानिया।” उसने उत्तर दिया, “मैं यहाँ हूँ, प्रभु।”
11 प्रभु ने कहा, “उठ, और नीफू नामक मार्ग पर जा, और तार्सुस के साउल के घर में यहूदी नामक व्यक्ति से पूछताछ कर; वह प्रार्थना कर रहा है।
12 उसने एक व्यक्ति देखा है, जिसका नाम अनानिया है; वह प्रवेश करेगा और उस पर हाथ रखेगा, ताकि वह दृष्टि प्राप्त करे।”
13 अनानिया ने उत्तर दिया, “प्रभु, मैंने इस व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ सुना है, कि उसने तेरे पवित्र लोगों को यरूशलेम में कितना कष्ट पहुँचाया है।
14 यहाँ तक कि उसने तुम्हारे नाम पर आदेश दिया है कि सभी तुम्हारे अनुयायियों को बाँध दें।”
15 लेकिन प्रभु ने कहा, “चलो; क्योंकि यह मेरे लिए एक विशेष पात्र है। मैं उसे लोगों, शासकों और इस्राएल के पुत्रों के सामने अपने नाम के लिए चुनूँगा।
16 मैं उसे दिखाऊँगा कि उसके लिए कितने कष्ट होंगे मेरे नाम के कारण।”
17 अनानिया चला गया, घर में प्रवेश किया, और उस पर हाथ रखकर कहा, “भाई साउल, प्रभु यीशु ने मुझे भेजा है, जिसने उस मार्ग पर प्रकट होकर तुम्हें दृष्टि दी, ताकि तुम फिर देख सको और पवित्र आत्मा से भर जाओ।”

अब आप सोच सकते हैं—अनानिया की निष्ठा का प्रमाण बाइबल में

इस बात को गहराई से समझें ताकि परमेश्वर आपको भेज सके

कहाँ है? प्रेरितों के काम 22:12-16 में लिखा है कि पौलुस ने अपने यहूदी समक्ष गवाही देते समय अनानिया को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया, जो सभी के बीच अपने धर्मनिष्ठ कार्यों के लिए जाना जाता था।

12 तब एक व्यक्ति, अनानिया, जो व्यवस्था का पालन करने वाला
था और जिसे वहाँ के सभी यहूदियों ने धर्मपरायण माना, आया।
13 उसने पास आकर कहा, “भाई साउल, देखो।” उसी समय मैंने अपनी आँखें उठाईं।
14 उसने कहा, “हमारे पूर्वजों का परमेश्वर ने तुम्हें चुना
है ताकि तुम उसकी इच्छा जान सको, और धर्मी को देख सको और उसकी आवाज सुन सको।”
15 “क्योंकि तुम उसके गवाह बनोगे, जो तुमने देखा और सुना।”
16 “अब तुम किस बात का इंतजार कर रहे हो? उठो, बपतिस्मा लो और अपने पापों को धोकर उसका नाम पुकारो।”

देखा आपने? हमारे अच्छे कार्य और हमारे बीच के लोगों के बीच की साख परमेश्वर द्वारा हमें अपने महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भेजने का मार्ग खोलती है। लेकिन यदि हम अपने जीवन में पवित्र नहीं हैं, झूठ और अराजकता में लिप्त हैं, तो हम कैसे उनके लिए काम कर सकते हैं? जैसे दानिएल ने बाबुल में अपने कार्यस्थल पर निष्ठा दिखाई, उसी तरह हमें भी ईमानदारी और धर्मपरायणता दिखानी

इस बात को गहराई से समझें ताकि परमेश्वर आपको भेज सके

होगी।

याद रखें, हम सभी लोगों के लिए एक जीवित पत्र हैं (2 कुरिन्थियों 3:2)। अगर लोग हमें सम्मान नहीं देते, तो भी जान लें कि परमेश्वर सबसे ऊपर है।

इसलिए हमें अपना जीवन बदलना चाहिए, जीवंत गवाही पेश करनी चाहिए और उन सभी चीजों को छोड़ देना चाहिए जो हमारी गवाही को बाधित करती हैं। दुनिया की अनैतिक आदतों और बुरे संगति से दूर रहना ही हमें परमेश्वर की सेवा में उपयोगी बनाएगा—जैसे उसने अनानिया को उपयोग किया।

प्रभु हम सभी की मदद करे।

इस बात को गहराई से समझें ताकि परमेश्वर आपको भेज सके

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp